Marking Scheme
Board of School Education Haryana
Practice Paper (March 2027)
Class – 12th
Subject - दर्शनशास्त्र (Philosophy)
[Hindi and English Medium]
ACADEMIC/OPEN

खंड- अ
SECTION - A
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)
(Objective Type Questions)

नोट: प्रश्न संख्या 1 से 20 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिनमें से प्रत्येक के लिए 1 अंक हैं। 20 X 1 = 20
Question numbers 1 to 20 are Objective Type Questions carrying 1 mark each.
प्रश्न संख्या 1 से 12 तक का उत्तर सत्य या असत्य में दीजिए।
Give the answer True or False of questions number 1 to 12.

1. भारतीय दर्शन आध्यात्मिक है।
Indian Philosophy is Spritualistic.
उत्तर - सत्य /True
2. जीवात्मा परमात्मा का ही रूप है।
The soul is the form of God.
उत्तर - सत्य /True
3. प्रिय से संयोग दुख है।
Union with the beloved is sorrow.
उत्तर - असत्य /False
4. महावीर के पिता का नाम सिद्धार्थ था।
Mahavir's father's name was Siddhartha.
उत्तर - सत्य /True
5. जिसका नाम दिया जा सके वह पदार्थ है।
Anything that can be named is a substance.
उत्तर - सत्य /True
6. न्याय दर्शन के अनुसार प्रमाण चार है।
According to Nyaya philosophy, there are four proofs.
उत्तर - सत्य /True
7. सम्यक् ज्ञान एक त्रिरत्न है।
Right Knowledge is one of the Tri-Ratna.
उत्तर - सत्य /True
8. अद्वैत वेदांत के प्रणेता रामानुजाचार्य है।
Ramanujacharya is the founder of Advaita Vedanta.
उत्तर - असत्य /False
9. वैशेषिक दर्शन में कर्म पदार्थ पांच है।
There are five karma in Vaisheshika Philosophy.
उत्तर - सत्य /True
10. प्रकृति के चार गुण हैं।

There are four qualities of nature.

उत्तर - असत्य /False

11. स्पिनोजा बुद्धिवाद का समर्थन करता है।

Spinoza supports rationalism.

उत्तर - सत्य /True

12. आत्मनिष्ठ बर्कले का सिद्धांत है।

Subjective is Berkeley's theory.

उत्तर - सत्य /True

प्रश्न संख्या 13 से 15 का उत्तर एक शब्द में दीजिए।

Give the answer one word of questions number 13 to 15.

13. सृष्टि का रचयिता कौन है।

Who is the creator of the universe.

उत्तर - ईश्वर / God

14. प्राणायाम कितने प्रकार का है।

How many types of Pranayam.

उत्तर - तीन /Three (पूरक, कुंभक, रेचक/Purak, Kumbhak, Rechak)

15. किसी एक पुरुषार्थ का नाम बताइए।

Name any one Purushartha.

उत्तर - धर्म/ अर्थ/ काम/ मोक्ष/ Dharma/ Artha/ Kama/ Moksha.

प्रश्न नंबर 16 से 18 में रिक्त स्थान को भरें।

Fill in the blanks in questions number 13 to 16.

16. अरस्तु ने कारण की संख्या ..... बतायी है।

Aristotle has enumerated the ..... number of cause.

उत्तर - चार /Four

17. डेकार्ट एक ..... दार्शनिक है।

Descartes is a ..... philosopher.

उत्तर - बुद्धिवादी /Rationalist

18. बौद्ध धर्म के प्रवर्तक ..... थे।

The founder of Buddhism was .....

उत्तर - महात्मा बुद्ध /Mahatma Buddha

प्रश्न नंबर 19 से 20 निर्देश: नीचे दो कथन दिए गए हैं जिसमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) द्वारा अंकित किया गया है। इन दोनों कथनों को ध्यान से पढ़िए और नीचे दिए गए विकल्पों (A), (B), (C) एवं (D) में से उत्तर के रूप में सही विकल्प चुनिए।

Questions no. 19 to 20 Instructions: Given below are two statements, one labeled as Assertion (A) and the other labeled as Reason (R). Read both these statements carefully and choose the correct answer from the options (A), (B), (C) and (D) given below.

(A) अगर दोनों कथन सही है लेकिन कथन (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(B) अगर दोनों कथन सही है लेकिन कथन (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(C) अगर कथन (A) सही है, लेकिन कथन (R) गलत है।

(D) अगर कथन (R) सही है लेकिन कथन (A) गलत है।

(A). If both statements are true and (R) is the correct explanation of (A).

(B). If both statements are true but (R) is not the correct explanation of (A).

(C). If statement (A) is correct but statement (R) is not correct.

(D). If statement (R) is correct but statement (A) is not correct.

19. कथन (A): भारतीय दर्शन केवल हिंदू दार्शनिक परंपराओं तक सीमित है।
कारण (R): भारतीय दर्शन में बौद्ध, जैन और चार्वाक जैसे नास्तिक संप्रदाय भी शामिल हैं जो वेदों की प्रमाणिकता को नहीं मानते।
Assertion (A): Indian philosophy is limited to Hindu philosophical traditions only.
Reason (R): Indian philosophy also includes atheistic schools such as Buddhism, Jainism, and Charvaka, which do not accept the authority of the Vedas.

उत्तर - D (कथन (R) सही है लेकिन कथन (A) गलत है।)

Answer - C (Statement (R) is correct but statement (A) is not correct.}

20. कथन (A): भारतीय दर्शन की प्रणालियों को आस्तिक और नास्तिक समूहों में वर्गीकृत किया गया है।
कारण (R): यह वर्गीकरण केवल इस आधार पर है कि वे ईश्वर के अस्तित्व को स्वीकार करते हैं या नहीं।
Assertion (A): Systems of Indian philosophy are classified into theistic and atheistic groups.
Reason (R): This classification is based solely on whether they accept the existence of God or not.

उत्तर - C (कथन (A) सही है, लेकिन कथन (R) गलत है।)

Answer - C (Statement (A) is correct but statement (R) is not correct.)

खंड- ब
SECTION - B
(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)
(Very Short Answer Type Questions)

नोट: प्रश्न संख्या 21 से 29 अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं जिनमें से प्रत्येक के लिए 2 अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 30 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

Question number 21 to 29 are Very Short Answer Type Questions carrying 2 marks each. Answer to each question should not exceed 30 words.

21. भारतीय दर्शन पुनर्जन्म को मानता है। 9 X 2 = 18
Indian philosophy believes in rebirth.

उत्तर - हाँ, भारतीय दर्शन में पुनर्जन्म एक केंद्रीय और अत्यंत महत्वपूर्ण अवधारणा है। यह विचार न केवल हिंदू धर्म, बल्कि जैन और बौद्ध दर्शन में भी गहराई से समाया हुआ है।

Answer - Yes, reincarnation is a central and extremely important concept in Indian philosophy. This idea is deeply ingrained not only in Hinduism, but also in Jain and Buddhist philosophies.

22. आश्रम संख्या में कितने हैं?
How many Ashrams are there in number?

उत्तर - आश्रमों की कुल संख्या चार है: ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास।

Answer – The total number of Ashramas is four: Brahmacharya, Grihastha, Vanaprastha and Sannyasa.

23. बौद्ध दर्शन में दुख क्या है?
What is suffering in Buddhist philosophy?

उत्तर - बौद्ध दर्शन में 'दुख' संसार की अनित्यता, इच्छाओं (तृष्णा) और जन्म-मरण के चक्र में फंसे होने की अवस्था है।

Answer - In Buddhist philosophy, 'suffering' is the state of being trapped in the impermanence of the world, desires (cravings) and the cycle of birth and death.

24. अनुभववादी कौन है?

Who is an empiricist?

उत्तर - जिन विचारकों के अनुसार ज्ञान अनुभव से मिलता है, अनुभववादी कहलाते हैं।

Answer - Those thinkers who believe that knowledge is obtained through experience are called empiricists.

अथवा or

बुद्धिवादी कौन है?

Who is a rationalist?

उत्तर - जिन विचारकों के अनुसार ज्ञान बुद्धि से मिलता है, बुद्धिवादी कहलाते हैं।

Answer - Those thinkers who believe that knowledge is obtained through intelligence are called rationalists.

25. भारतीय दर्शन में ज्ञान प्राप्त करने वाला क्या कहलाता है?

What is called the gainer of knowledge in Indian philosophy?

उत्तर - भारतीय दर्शन में ज्ञान प्राप्त करने वाले (ज्ञाता) को 'प्रमाता' कहा जाता है।

Answer - The one who acquires knowledge (knower) is called 'Pramata' in Indian philosophy.

26. अरस्तु का चतुष्टकोटिकारणवाद क्या है?

What is four fold causation of Aristotle?

उत्तर - अरस्तू के अनुसार किसी भी कार्य या वस्तु की उत्पत्ति के पीछे चार कारण होते हैं, जिन्हें चतुष्टकोटिकारणवाद कहते हैं। उपादान कारण: कच्ची सामग्री (जैसे मिट्टी), निमित्त कारण: निर्माता (जैसे कुम्हार), स्वरूप कारण: आकृति या रूप (जैसे घड़ा) और लक्ष्य कारण: अंतिम उद्देश्य (जैसे पानी भरना)

Answer - According to Aristotle, there are four causes behind the creation of any action or object, which is called the Quaternary Theory. Material cause: raw material (such as clay), instrumental cause: maker (such as the potter), form cause: shape or form (such as the pot), and target cause: ultimate purpose (such as filling water).

27. आदर्शवाद क्या है?

What is Idealism?

उत्तर - आदर्शवाद वह विचारधारा है जो पदार्थ की तुलना में विचार या चेतना को सर्वोच्च मानती है।

Answer - Idealism is the ideology which considers thought or consciousness supreme compared to matter.

28. योग दर्शन में आसन क्या है? किन्हीं दो आसनों का नाम बताइए।

What is an asana ine Yoga Philosophy? Name any two asanas.

उत्तर - आसन स्थिर और सुखद स्थिति में बैठने या शरीर को विशेष मुद्रा में रखने की प्रक्रिया है। दो प्रमुख आसनों के नाम इस प्रकार हैं: पद्मासन और भुजंगासन।

Answer - Asana is the process of sitting in a stable and comfortable position or holding the body in a particular posture. The names of two important asanas are: Padmasana and Bhujangasana.

अथवा or

योग दर्शन में प्राणायाम कितने प्रकार का होता है?

How many types of Pranayama a्in Yoga Philosophy?

उत्तर - योग दर्शन में प्राणायाम तीन प्रकार का होता है, पूरक कुंभक और रेचक।

Answer - In Yoga Philosophy, there are three types of Pranayama: Puraka, Kumbhaka and Rechak.

29. ईश्वर की प्रकृति क्या है?

What is the nature of God?

उत्तर - ईश्वर की प्रकृति सर्वव्यापी, सर्वज्ञाता, सर्वशक्तिमान, अनंत, अनादि और निराकार है।

Answer : The nature of God is omnipresent, omniscient, omnipotent, infinite, eternal and formless.

अथवा or

प्रत्ययवाद में वस्तु का रूप क्या है?

What is the form of thing in idealism?

उत्तर - प्रत्ययवाद में वस्तु का स्वतंत्र भौतिक अस्तित्व नहीं होता है। वस्तु का रूप पूर्णत: मानसिक, वैचारिक या चेतनामय होता है। वस्तुएँ केवल हमारे विचारों या प्रत्ययों की अभिव्यक्ति हैं।

Answer - In idealism, objects do not have an independent physical existence. Their form is purely mental, conceptual, or conscious. Objects are merely manifestations of our thoughts or concepts.

खंड- स
SECTION - C
(लघु उत्तरीय प्रश्न)
(Short Answer Type Questions)

नोट: प्रश्न संख्या 30 से 37 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं जिनमें से प्रत्येक के लिए 3 अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 60 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

Question number 30 to 37 are Short Answer Type Questions carrying 3 marks each. Answer to each question should not exceed 60 words.

30. भारतीय दर्शन की तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए? 8 X 3 = 24

Describe the three characteristics of Indian Philosophy?

उत्तर - भारतीय दर्शन की तीन प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

1. आध्यात्मिकता: यह भौतिक संसार से परे आत्मज्ञान और मोक्ष (मुक्ति) की प्राप्ति पर बल देता है।
2. कर्म का सिद्धांत: यह मानता है कि मनुष्य को अपने अच्छे-बुरे कर्मों के अनुसार ही फल भुगतना पड़ता है।
3. व्यावहारिक दृष्टिकोण: यह केवल बौद्धिक ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन के दुखों को समाप्त करने का व्यावहारिक मार्ग है।

31. निष्काम कर्म का क्या अर्थ है? बताइए।

What is the meaning of Nishkam Karma? Describe.

उत्तर - निष्काम कर्म का अर्थ है बिना किसी फल या पुरस्कार की इच्छा के कर्तव्य निभाना।भगवद्गीता के अनुसार, मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने पर है, उसके परिणाम (फल) पर नहीं। जब आप स्वार्थ, आसक्ति और चिंता छोड़कर केवल सही भावना से अपना काम करते हैं, तो वही निष्काम कर्म कहलाता है। यह मानसिक शांति और मुक्ति का मार्ग है।

32. न्याय दर्शन के अनुसार ज्ञान क्या है? संक्षेप में बताइए।

What is knowledge, according to Nyaya philosophy? Explain in brief.

उत्तर - न्याय दर्शन के अनुसार, आत्मा के उस गुण को ज्ञान (बुद्धि) कहते हैं जो किसी वस्तु को प्रकट या प्रकाशित करता है। यह दो प्रकार का होता है:

1. प्रमा (यथार्थ ज्ञान): वस्तु जैसी है, उसे वैसा ही जानना। इसके चार साधन (प्रमाण) हैं: प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान और शब्द।
2. अप्रमा (अयथार्थ ज्ञान): भ्रम, संशय या तर्क।

33. वैशेषिक दर्शन के द्रव्य पदार्थ की व्याख्या कीजिए।

Explain the substance of Vaisheshika philosophy.

उत्तर - वैशेषिक दर्शन में द्रव्य सभी तत्वों का आश्रय (आधार) है, जिसमें गुण और कर्म समवाय संबंध से रहते हैं। द्रव्य ही सृष्टि का उपादान कारण (Material cause) है। ये संख्या में नौ (9) हैं: पृथ्वी, जल, तेज (अग्नि), वायु, आकाश, काल (समय), दिक् (दिशा), आत्मा और मन। पहले पांच द्रव्य भौतिक (पंचभूत) हैं और अंतिम चार सूक्ष्म हैं।

अथवा or

वैशेषिक दर्शन के कर्म पदार्थ की व्याख्या कीजिए।

Explain the karma of Vaisheshika philosophy?

उत्तर - वैशेषिक दर्शन में कर्म पांचवां पदार्थ है, जिसका अर्थ 'गति' या 'क्रिया' है। यह द्रव्य में आश्रित रहता है और क्षणिक होता है। कर्म संयोग और विभाग का कारण बनता है। इसके पांच प्रकार हैं:

1. उत्क्षेपण: ऊपर फेंकना।
2. अवक्षेपण: नीचे फेंकना।
3. आकुंचन: सिकोड़ना।
4. प्रसारण: फैलाना।
5. गमन: अन्य सभी प्रकार की गतियां।

34. अरस्तु के अनुसार निमित्त कारण क्या है? संक्षेप में बताइए।

According to Aristotle, what is the sufficient cause? Explain in brief.

उत्तर - अरस्तु के अनुसार, निमित्त कारण वह शक्ति, स्रोत या कर्ता है जिसके द्वारा कोई वस्तु बनती है या उसमें परिवर्तन शुरू होता है। यह किसी कार्य को गति देने वाला मुख्य कारक है। सरल शब्दों में, जो किसी वस्तु के निर्माण या बदलाव का वास्तविक कारण बनता है, वही निमित्त कारण है। उदाहरण: मूर्ति को बनाने वाला मूर्तिकार। मेज को बनाने वाला बढ़ई।

35. आदर्शवाद किस प्रकार यथार्थवाद के सिद्धांत के विपरीत है?

How idealism is opposite to theory of realism?

उत्तर - आदर्शवाद और यथार्थवाद अंतरराष्ट्रीय संबंधों में दो विपरीत दृष्टिकोण हैं:

1. सोच का अंतर: आदर्शवाद नैतिक मूल्यों, शांति और सहयोग पर बल देता है। यथार्थवाद शक्ति, राष्ट्रीय हित और संघर्ष को ही अंतिम सत्य मानता है।
2. मानव स्वभाव: आदर्शवाद इंसानी स्वभाव को अच्छा और सुधारवादी मानता है। यथार्थवाद इसे स्वार्थी और हिंसक देखता है।
3. लक्ष्य: आदर्शवाद विश्व शांति चाहता है, जबकि यथार्थवाद केवल राष्ट्रीय सुरक्षा और सत्ता-संतुलन पर ध्यान देता है।

36. ईश्वर के ज्ञान का स्रोत क्या है?

What is the sources of knowledge of God?

उत्तर- ईश्वर स्वयं ज्ञान का परम स्रोत है। उसका ज्ञान अनादि, अनंत और स्वतःसिद्ध है। वह किसी बाहरी साधन, पुस्तक या अनुभव से ज्ञान प्राप्त नहीं करता, बल्कि संपूर्ण सृष्टि का ज्ञान उसी से उत्पन्न होता है।

अथवा or

ईश्वर के अस्तित्व के किन्हीं दो प्रमाणों का वर्णन कीजिए।

Describe any two proofs of God's existence.

उत्तर - ईश्वर के अस्तित्व के दो प्रमुख प्रमाण निम्नलिखित हैं:

1.सृष्टि रचना प्रमाण (Cosmological Argument): इस संसार की हर वस्तु का कोई न कोई कारण है। इतनी विशाल सृष्टि का आदि कारण केवल ईश्वर ही हो सकता है।

2. प्रयोजनमूलक प्रमाण (Teleological Argument): ब्रह्मांड की अद्भुत व्यवस्था, नियम और रचना इसके पीछे एक परम बुद्धिमान शिल्पकार यानी ईश्वर की उपस्थिति को दर्शाती है।

37. जैन दर्शन के जीव और अजीब की व्याख्या कीजिए।

Explain the terms Jiva and Ajiva in Jain philosophy.

उत्तर - जैन दर्शन के अनुसार सृष्टि दो मुख्य तत्त्वों से बनी है: जीव और अजीव।
1. जीव: यह चेतन (living) तत्त्व है। इसमें आत्मा, ज्ञान, दर्शन (चेतना) और सुख-दुख का अनुभव करने की शक्ति होती है।
2. अजीव: यह जड़ (non-living) तत्त्व है। यह चेतनाहीन और ज्ञानरहित होता है। इसके पांच भेद हैं: पुद्गल, धर्म, अधर्म, आकाश और काल।

अथवा or

किन्ही तीन आस्तिक दर्शनों का नाम बताइए।
Name any three theistic philosophies.

उत्तर - भारतीय दर्शन में वेदों की सत्ता को मानने वाले तीन प्रमुख आस्तिक दर्शन निम्नलिखित हैं:
1. न्याय दर्शन: इसके प्रवर्तक महर्षि गौतम हैं। यह तर्क और प्रमाण पर आधारित है।
2. सांख्य दर्शन: इसके प्रवर्तक महर्षि कपिल हैं। यह प्रकृति और पुरुष के द्वैत को मानता है।
3. योग दर्शन: इसके प्रवर्तक महर्षि पतंजलि हैं। यह चित्त की वृत्तियों के निरोध और साधना पर बल देता है।

खंड- द
SECTION - D
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)
(Long Answer Type Questions)

नोट: प्रश्न संख्या 38 से 40 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प वाले प्रश्न है, जिनमें से प्रत्येक के लिए 6 अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 150 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

Question Number 38 to 40 are Long Answer Type Questions with internal choice. Each question carries 6 marks. Answer to each question should not exceed 150 words.

38. बौद्ध दर्शन के 'अष्टांग मार्ग' की व्याख्या करें। 3 X 6 = 18
Explain the 'Bightfold Path of Buddhist Philosophy.

अथवा or

बौद्ध दर्शन के दूसरे आर्य सत्य की व्याख्या करें।
Explain the Second Noble Truth of Buddhist Philosophy.

39. योग दर्शन में वर्णित 'अष्टांग योग' की व्याख्या कीजिये।
Explain the 'Eightfold Yoga' described in Yoga Darshana.

अथवा or

योग दर्शन में वर्णित 'यम और नियम' की व्याख्या कीजिए।
Explain 'Yama and Niyama' described in Yoga Darshana.

40. दण्ड के 'प्रतिकारात्मक सिद्धान्त' की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।
Critically Explain the 'Retributive Theory of Punishment.

अथवा or

दंड के 'सुधारात्मक सिद्धांत' की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।
Critically Explain the 'Reformative Theory' of Punishment.